हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अंक योजना

कक्षा - ग्यारहवीं　　विषय : (हिन्दी आधार)

समयावधि : 3 घंटे　　कुल अंक : 80

सामान्य निर्देश :-

1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2) वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिये गये उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
		खंड - अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	क - साहस का क - साहस का ग - नीति की घ - अच्छे गुणों में क - तारीफ़ करते हुए	1 1 1 1 1
2	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	क - धीरज क - राष्ट्र घ - राष्ट्रभूमि क - जीवन भर क - जननी	1 1 1 1 1

Downloaded from www.cclchapter.com

3	(i)	ख - पछतावे वाली	1
	(ii)	क - सार तत्व ग्रहण करना	1
	(iii)	ग - भौतिक सुखों को	1
	(iv)	घ - आदिवासियों का	1
	(v)	ग - 1(iii) , 2(i) , 3(ii)	1
4	(i)	ख - अलोपीदीन	1
	(ii)	घ -ट्यूशन न लेने पर अध्यापकद्वारा कम अंक देने के कारण	1
	(iii)	ग - संस्मरण	1
	(iv)	ख - कुशाग्र बुद्धि	1
	(v)	ख - 1(ii) , 2(iii) , 3(i)	1
5	(i)	क - समूह संचार	1
	(ii)	ग - संपादन के सिद्धांत	1
	(iii)	ख - डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है	1
	(iv)	क - फ़्लैशबैक	1
	(v)	ग - मज़ेदार और मनोरंजक समाचारों को	1
6	(i)	घ - द्विगु	1
	(ii)	ग - 1(iii) , 2(i) , 3(iv) , 4 (ii)	1
	(iii)	क - वह दस आम लेकर आया	1
	(iv)	क - शब्द क्रम संबंधी	1
	(v)	लंबा उदर है जिसका (गणेश जी)	1
खंड ख (वर्णनात्मक प्रश्न)			
7		**प्रसंग व संदर्भ** - मीराबाई व पद	1
		व्याख्या - प्रभु के प्रति समर्पण भाव	3
		काव्य - सौन्दर्य - अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, राजस्थानी मिश्रित भाषा, प्रसाद गुण आदि	1
		अथवा	
	(i)	निर्मला पुतुल व आओ मिलकर बचाएँ	1
	(ii)	ख़ुशी के समय हमारे मुख से फूट पड़ने वाले गीतों को	1
	(iii)	बच्चों को खेलने के लिए मैदान , पशुओं के लिए हरी- भरी घास और बुजुर्गों के लिए प्राकृतिक शांति की प्राप्ति हो सके।	1
	(iv)	वातावरण पर चिंता व्यक्त की है।	1
	(v)	शांत रस, छंद मुक्त, अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, खड़ी बोली आदि	1

Downloaded from www.cclchapter.com

8	(क)	• पूरे संसार में एक ही पवन का बहना। • पूरे संसार में एक ही प्रकार का जल का बहना। • एक ही मिट्टी का होना। पर उससे भिन्न-भिन्न बर्तनों का निर्माण।	3
	(ख)	• संवेदनहीन शासन व्यवस्था पर कटाक्ष। • सामूहिक आवाज़ में शासन को को बदलने की ताकत । •अपने राजनैतिक लोगों का भी, विदेशी शासकों जैसा व्यवहार।	2
9		**प्रसंग व संदर्भ -** **व्याख्या** - विवेकानुसार **विशेष** - विवेचनातमक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज । **अथवा**	1 3 1
	(i)	शेखर जोशी व गलता लोहा	1
	(ii)	मोहन एक दिन बड़ा आदमी बनकर, स्कूल और उनका नाम ऊँचा करेगा	1
	(iii)	बड़ा आदमी बनाने का स्वप्न देखने लगे।	1
	(iv)	मोहन एक दिन बड़ा आदमी बने और अपने वंश की गरीबी को दूर करे।	1
	(v)	गाँव में आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल न होना।	1
10	(क)	निर्धन एवं अभावग्रस्त दृढ़ निश्चयी और कर्मठ कर्त्तव्यनिष्ठ पारखी	3
	(ख)	विविधताओं में भी एकता। भौगोलिक संसाधनों के साथ-साथ, भारत में रहने वाले करोड़ों लोग भी भारत माता है। जल को प्रकृति की अनमोल धोट	2
11			

Downloaded from www.cclchapter.com

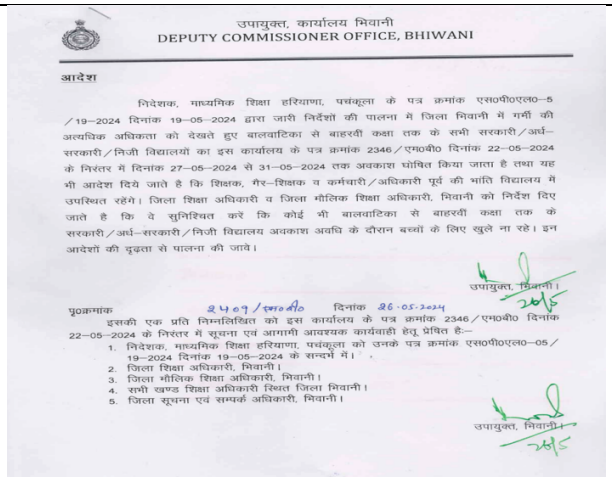

		 उपायुक्त, कार्यालय भिवानी DEPUTY COMMISSIONER OFFICE, BHIWANI आदेश निदेशक, माध्यमिक शिक्षा हरियाणा, पचंकूला के पत्र क्रमांक एस0पी0एल0–5/19–2024 दिनांक 19–05–2024 द्वारा जारी निर्देशों की पालना में जिला भिवानी में गर्मी की अत्यधिक अधिकता को देखते हुए बालवाटिका से बाहरवीं कक्षा तक के सभी सरकारी/अर्ध–सरकारी/निजी विद्यालयों का इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2346/एम0बी0 दिनांक 22–05–2024 के निरंतर में दिनांक 27–05–2024 से 31–05–2024 तक अवकाश घोषित किया जाता है तथा यह भी आदेश दिये जाते है कि शिक्षक, गैर–शिक्षक व कर्मचारी/अधिकारी पूर्व की भांति विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, भिवानी को निर्देश दिए जाते है कि वे सुनिश्चित करें कि कोई भी बालवाटिका से बाहरवीं कक्षा तक के सरकारी/अर्ध–सरकारी/निजी विद्यालय अवकाश अवधि के दौरान बच्चों के लिए खुले ना रहे। इन आदेशों की दृढ़ता से पालना की जावे। उपायुक्त, भिवानी। पृ0क्रमांक 2409/एम0बी0 दिनांक 26.05.2024 इसकी एक प्रति निम्नलिखित को इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2346/एम0बी0 दिनांक 22–05–2024 के निरंतर में सूचना एवं आगामी आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित है:– 1. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा हरियाणा, पचंकूला को उनके पत्र क्रमांक एस0पी0एल0–05/19–2024 दिनांक 19–05–2024 के सन्दर्भ में। 2. जिला शिक्षा अधिकारी, भिवानी। 3. जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, भिवानी। 4. सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी स्थित जिला भिवानी। 5. जिला सूचना एवं सम्पर्क अधिकारी, भिवानी। उपायुक्त, भिवानी। **अथवा** • परिचय • अनुभव • शैक्षणिक योग्यता • उपलब्धि • रुचि	
12	(क)	सूचना प्रदान करना शिक्षित/ जागरूक करना मनोरंजन करना निगरानी करना एजेंडा तय करना विचार विमर्श के मंच	3
	(ख)	दृश्य योजना में अंतर नाटक सजीव कला का माध्यम जबकि पटकथा रिकॉर्डिड नाटक - सीमित अवधि, पटकथा - कोई निश्चित अवधि नहीं नाटक - दृश्यों व पात्रों की संख्या सीमित, पटकथा - निश्चित नहीं	2
13	(क)	• पूर्णतः असहमत • करुणा का भाव गीत की आवश्यकता के अनुसार • जीवन से जुड़ाव	3

Downloaded from www.cclchapter.com

		• करुण रस के गानों के स्वर में भी कोमलता	
	(ख)	• जल को प्रकृति की अनमोल धरोहर बताया है • मरुभूमि में कुंई और कुओं के महत्त्व को दर्शाया गया है। • भावी पीढ़ी लिए पानी के बचाव प्रति सजगता।	2
	(ग)	• बड़े लड़के की दो महीने से कोई सूचना न होना। • बेटे को ले जाने वाले लोगों से संतोषजनक उत्तर न मिलना।	2
14	(क)	यमक - समान शब्द लेकिन अर्थ अलग जैसे - काली <u>घटा</u> का घमंड <u>घटा</u> (बादलों की घटा) (कम होना) श्लेष - शब्द एक लेकिन अर्थ दो या दो से ज़्यादा मंगन को देख <u>पट</u> देत बार - बार है पट - वस्त्र और दरवाज़ा	3
	(ख)	एक + एक, पो + अन	1+1=2
15	(क)	'गीता' में यह बताया गया है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो। हमारे हाथ में केवल कर्म करना है। उस कर्म का फल प्राप्त करना हमारे हाथ में नहीं है। अतः 'गीता' कहती है कि कर्तव्य को ही अपना अधिकार समझकर उसमें ही अपनी ऊर्जा और क्षमता को विश्वासपूर्वक लगा दो। फल की इच्छा अर्थात् भविष्य की चिन्ता मत करो।	2
	(ख)	एक युवक से आधी रात के समय सो रहा था। अचानक वह उठा और 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाते हुए भागा। इससे पहले कि परिवार के लोग उसे पकड़ पाते. वह भागते-भागते दूर जाकर गिर पड़ा और बुरी तरह घायल हो गया। पूछने पर उसने बताया कि सोने से पहले वह ऐसा ही उपन्यास पढ़ रहा था। उस उपन्यास की घटना ने उसके मस्तिष्क पर ऐसा प्रभाव डाला जिसका परिणाम यह निकला।	2
	(ग)	• प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्य धारण करना	

Downloaded from www.cclchapter.com

		• परीक्षा परिणाम में तनिक सी प्रतिकूलता में निराशा व अवसाद की बजाय धैर्य धारण करना	2
	(घ)	• भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन में वैज्ञानिक • सन् 1992 से 1999 तक रक्षामंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव • भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार थे। • भारत के राष्ट्रपति - जुलाई 2002 से जुलाई 2007 तक	2

Downloaded from www.cclchapter.com